हिंदी विश्वविद्यालय में 'परमाणु मुक्त भारत की संकल्पना-जापान एवं अन्य देशों के सबक' पर

रविवार को अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

वर्धा दि. 4 अगस्त 2011: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में सीएनडीपी के सहयोग से रविवार दि. 7 अगस्त को 'परमाणु मुक्त भारत की संकल्पना-जापान एवं अन्य देशों के सबक' पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के हबीब तनवीर सभागार में आयोजित इस संगोष्ठी का प्रारंभ रविवार को प्रात: 10 बजे से होगा। उदघाटन सत्र में कुलपति विभूति नारायण राय स्वागत भाषण देंगे। इसी सत्र में 'आणविक शस्त्रीकरण और आणविक ऊर्जा : एक ही सिक्के के दो पहलू' विषय पर प्रफुल्ल बिदवई बीज वक्तव्य देंगे। संगोष्ठी के दूसरे सत्र में 'अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा :वर्तमान संदर्भ में' विषय पर अचिन विनायक वक्तव्य देंगे। प्रो. रामशरण जोशी 'धरती की साभ्यतिक और ऊर्जा जरूरतें एवं असीमित ऊर्जा आपूर्ति के मिथक' विषय पर व्याख्यान देंगे। इसी सत्र में संदीप पाण्डेय 'सुरक्षित आणविक ऊर्जा के मिथक और रेडिएशन से जुडे खतरे विषय पर तथा वैशाली पाटील व राजू फतरफेकर 'जैतापुर परियोजना : संघर्ष और मुद्दे' विषय पर वक्तव्य देंगे।

संगोष्ठी में दोपहर 3 से 4 बजे असुरक्षित यूरेनियम खनन पर आधारित फिल्म् 'बुध्दा वीप्स इन जादूगोडा' का प्रदर्शन किया जाएगा। 4 से 5.30 बजे विश्वविद्यालय समुदाय के लिए खुला सत्र होगा जिसका संचालन चितरंजन सिंह, उत्तर प्रदेश करेंगे। संगोष्ठी का अंतिम सत्र 5.30 से 6 बजे के बीच होगा। इस सत्र में 'विदर्भ के लिए कार्ययोजना' विषय पर प्रकाश मेघे अपना वक्तव्य देंगे। संगोष्ठी के दौरान हिरोशिमा, नागासाकी और फुकोशिमा पर चित्र प्रदर्शनी लगायी जाएगी तथा 'पीस बर्डस' छात्रों के लिए कार्यशाला आयोजित की जाएगी।

कार्यक्रम का संचालन स्त्री अध्ययन विभाग की प्रोफेसर तथा सीएनडीपी की राष्ट्रीय संयोजन समिति की सदस्य प्रो. इलीना सेन करेंगी तथा धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. ए. अरविंदाक्षन करेंगे। संगोष्ठी में सहभागिता की अपील विमर्श के संयोजक स्त्री अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर शरद जायसवाल ने की है।

बी एस मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी